



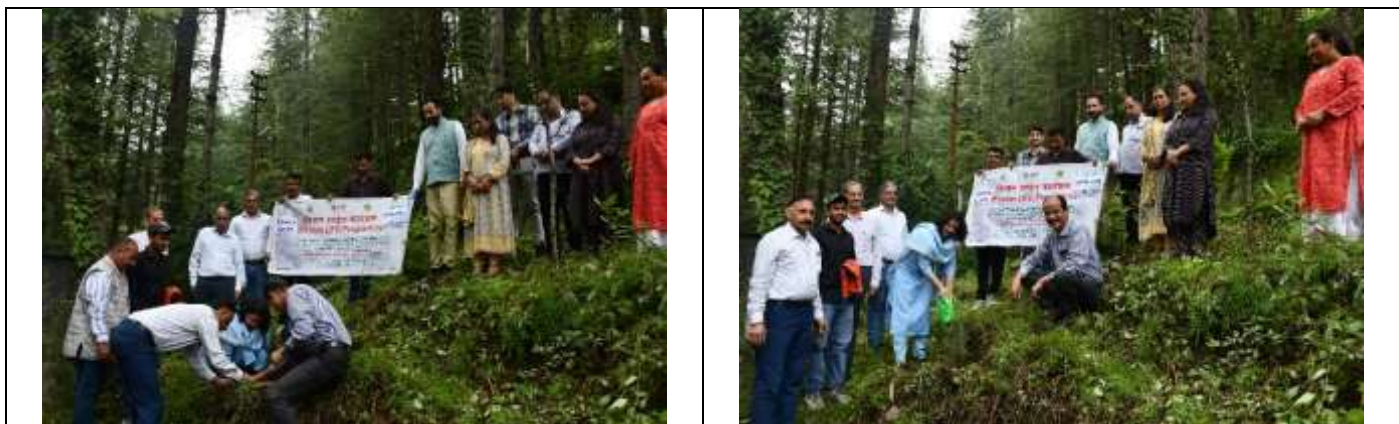
“तिरंगा वनम के अंतर्गत संस्थान परिसर में पौधरोपण”

Tree plantation on the institute campus under “Tiranga Vanam”

भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा 05 अगस्त, 2026 को संस्थान परिसर में “तिरंगा वनम” कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि तथा जन-सामान्य में वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्थान परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान की निदेशक डॉ. मनीषा थपलियाल द्वारा पौधारोपण कर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम ही नहीं है, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से रोपित पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न पौध प्रजातियों का रोपण किया। “तिरंगा वनम” कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ राष्ट्रप्रेम एवं सामुदायिक सहभागिता की भावना को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी देखभाल सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

ICFRE–Himalayan Forest Research Institute, Shimla organized a “Tiranga Vanam” programme in the institute premises on 05 August 2026. On this occasion, saplings of different species were planted within the campus with the objective of promoting environmental conservation, increasing green cover, and raising public awareness about the importance of tree plantation. The programme was inaugurated by **Dr. Manisha Thapliyal, Director** of the Institute, by planting a sapling. In her address, she emphasized that tree plantation is not only a means of environmental conservation but also an important step towards ensuring a clean and healthy environment for future generations. She urged all participants to take a pledge for the protection, nurturing, and maintenance of the planted saplings. During the programme, scientists, officers, and staff members of the Institute enthusiastically participated in planting various tree species. The objective of the “Tiranga Vanam” programme is to strengthen the spirit of environmental stewardship, patriotism, and community participation. At the conclusion of the programme, all participants pledged to plant more trees and ensure their proper care and conservation.

कार्यक्रम की झलकियाँ/Glimpses of the Activity





"Tiranga Vanam" programme
